

(44)

SEAT No. \_\_\_\_\_

No. of Printed Pages | 2

**SARDAR PATEL UNIVERSITY**  
**M.A (Third Semester) Examination**  
**Saturday, 03<sup>rd</sup> November 2018**  
**02:00 P.M. to 05:00 P.M.**

**PA03SGUJ03 – અનુવાદ અને સંપાદન**

**કુલ ગુણ: ૭૦**

પ્રશ્ન: ૦૧ 'સંપાદન'નું સ્વરૂપ સ્પષ્ટ કરી, સંપાદનના પ્રકારોનો વિગતે પરિચય કરાવો.

(૧૮)

અથવા

પ્રશ્ન: ૦૧ ટૂંકનોંધ લખો. (બંને)

(અ) સંપાદકની સજ્જતા

(બ) સંપાદન પ્રક્રિયા

પ્રશ્ન: ૦૨ 'અનુવાદ'ની વિભાવના સ્પષ્ટ કરી, અનુવાદના પ્રકારોની ચર્ચા કરો.

(૧૮)

અથવા

પ્રશ્ન: ૦૨ ટૂંકનોંધ લખો. (બંને)

(અ) અનુવાદની પ્રક્રિયા

(બ) અનુવાદકની સજ્જતા

પ્રશ્ન: ૦૩ નીચેના હિન્દી અથવા અંગ્રેજી પદ્યખંડમાંથી કોઈ એકનો ગુજરાતીમાં અનુવાદ કરો.

(૧૭)

જો અગણિત લઘુ દીપ હમારે,  
તૂફાનોં મેં એક કિનારે,  
જલ-જલાકર બુઝ ગયે કિસી દિન,  
માંગા નહીં સ્નેહ મુઝે ખોલા  
કલમ, આજે ઉનકી જય બોલા

પીકર જિનકી લાલ શિખાએ,  
ઝગલ રહી સૌં લપટ દિશાએ,  
જિનકે સિંહનાદ સે સહમી,  
ધરતી રહી અમીં તક ડોલા  
કલમ, આજે ઉનકી જય બોલા

અંધા ચકાચૌંધ કા મારા,  
કયા જાને ઇતિહાસ બેચારા,  
સાચી હૈં ઉનકી મહિમા કે,  
સૂર્ય, ચન્દ્ર, ભૂગોલ, ખગોલ  
કલમ, આજે ઉનકી જય બોલા

- રામધારી સિંહ દિનકર

અથવા

(પાછળ જુઓ)

(P.T.O.)

1

This song of mine will wind its music around you, my child,  
 Like the fond arms of love.  
 This song of mine will touch your forehead like a kiss of blessing.  
 When you are alone it will sit by your side and whisper in your ear,  
 When you are in the crowd, it will fence you about with aloofness.  
 My song will be like a pair of wings to your dreams,  
 It will transport your heart to the verge of the unknown.  
 It will be like the faithful star overhead when dark night is over your road.  
 My song will sit in the pupils of your eyes, and will carry your sight into the  
 heart of things.  
 And when my voice is silent in death, my song will speak in your fiving  
 heart.

- Rabindranath Tagore

प्रश्न: ०४ नीचेना छिन्दी अथवा अंग्रेज गद्यभंडांशी कोई ऐकनो गुजरातीमां अनुवाद करो.

(१७)

सादा एवं सरल जीवन के मालिक प्रेमचन्द सदा मस्त रहते थे। उनके जीवन में विषमताओं और कटुताओं से वह लगातार खेलते रहे। इस खेल को उन्होंने बाजी मान लिया जिसको हमेशा जीतना चाहते थे। अपने जीवन की परेशानियों को लेकर उन्होंने एक बार मुंशी दयानारायण निगम को एक पत्र में लिखा "हमारा काम तो केवल खेलना है- खूब दिल लगाकर खेलना- खूब जी- तोड़ खेलना, अपने को हार से इस तरह बचाना मानों हम दोनों लोकों की संपत्ति खो बैठेंगे। किन्तु हारने के पश्चात् - पटखनी खाने के बाद, धूल झाड़ खड़े हो जाना चाहिए और फिर ताल ठोंक कर विरोधी से कहना चाहिए कि एक बार फिर जैसा कि सूरदास कह गए हैं, "तुम जीते हम हारे। पर फिर लड़ेंगे।" कहा जाता है कि प्रेमचन्द हंसोड़ प्रकृति के मालिक थे। विषमताओं भरे जीवन में हंसोड़ होना एक बहादुर का काम है। इससे इस बात को भी समझा जा सकता है कि वह अपूर्व जीवनी-शक्ति का द्योतक थे। सरलता, सौजन्यता और उदारता के वह मूर्ति थे।

जहां उनके हृदय में मित्रों के लिए उदार भाव था वहीं उनके हृदय में गरीबों एवं पीड़ितों के लिए सहानुभूति का अथाह सागर था। जैसा कि उनकी पत्नी कहती हैं "कि जाड़े के दिनों में चालीस - चालीस रुपये दो बार दिए गए दोनों बार उन्होंने वह रुपये प्रेस के मजदूरों को दे दिये। मेरे नाराज होने पर उन्होंने कहा कि यह कहां का इंसाफ है कि हमारे प्रेस में काम करने वाले मजदूर भूखे हों और हम गरम सूट पहनें।"

अथवा

A street beggar can be seen everywhere; at the bus stop, railway stations, religious places, markets etc. Some beggars are crippled, lame and some are blind. They are unable to earn their livelihood. Whereas some are healthy and they do not deserve our sympathy. We should see that they take up some profession. They should not be allowed to beg. On my way to school I see a beggar daily. He wears old rags. He is partially blind. I feel pity seeing him but I can't help it I can only pray to God to help him to earn his livelihood.